Awareness Program on Alcohol Prohibition and Bihar Excise (Amendment) Act 2016

An awareness program on Alcohol Prohibition and Bihar Excise Amendment Act 2016 was organized in the Rajendra Stadium of Saran on 11th May 2016. Over 10000 Jeevika Self Help Group members from three districts – Saran, Gopalganj and Siwan of Saran division participated in the programme. Honorable Chief Minister of Bihar, Sri Nitish Kumar inaugurated the programme by lighting the lamp. Sunita Devi from Saran, Kiran Devi from Siwan, Poonam and Vedanti Devi from Gopalganj all Jeevika self-help group members shared their experiences of their successful attempts in making their villages alcohol free. SHG members also presented a song on prohibition. Sri Nitish kumar addressed the community members and congratulated them for complete liquor ban in the state. Chief Minister assured all support to the community members in their effort towards liquor ban. The programme was attended by Education Minister, Dr. Ashok Choudhary, Transport Minister, Sri Chandrika Rai, Art and Culture minister, Sri Shivchandra Ram, Mines Minister, Muneshwar Choudhary, Chief Secretary Bihar, Development Commissioner Bihar, Principal Secretary Education, Secretary RDD, CEO Jeevika, Commissioner Saran, DMs and SPs of all the three districts of Saran division.

Hon'ble Chief Minister Bihar, Shri Nitish Kumar inaugurating the programme at Saran

Hon'ble Chief Minister Bihar, Shri Nitish Kumar delivering his speech during the programme

Jeevika SHG members presenting memento to Hon’ble Chief Minister. More than 10000 SHG members attended the campaign on Anti Alcoholism in Saran

Media coverage of Saran program Awareness Program on Alcohol Prohibition and Bihar Excise (Amendment) Act 2016

सिटी फ्रंट पेज

दैनिक भास्कर, छपरा गुरुवार, 12 मई, 2016 2

31 सूर्यास्त आज 06.35 pm
22 सूर्योदय कल 05.24 am

शराबबंदी को ले महाराष्ट्र, राजस्थान, झारखंड, उड़ीसा व अन्य राज्यों में उठने लगी है आवाज

जीविका का कार्यकाल 6 साल बढ़ा, 10 लाख एसएचजी से जुड़ेंगे 1.5 करोड़ परिवार

सिटी रिपोर्टर| छपरा

मुख्यमंत्री ने मंच से बताया कि जीविका के बेहतर कार्यों को देखते हुए उसका कार्यकाल छह साल के लिए बढ़ा दिया गया है। राज्य में इसके तहत 10 लाख स्वयं सहायता समूह बनाए जाएंगे और इससे डेढ़ करोड़ परिवारों को जोड़ा जाएगा। यानि इन परिवारों को आर्थिक रूप से मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। इन्हीं के माध्यम से विकास के नए आयाम भी लिखे जाएंगे। सीएम ने सारण कमिश्नरी में जीविका के विस्तार पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं में विकास के मामले में जागृति आ रही है। वे परिवार, समाज व देश के विकास में अहम भूमिका निभाने के लिए आगे आ रही हैं। उन्होंने कहा कि शराबबंदी का यह निर्णय चंपारण सत्याग्रह के 100 वें साल पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि होगी।

हर साल 13 हजार करोड़ का लोग पी जाते थे शराब, अब यह पैसा बाजार में आ रहा है

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लोग हर साल 13 हजार करोड़ का शराब पी जाते थे। अब इस रुपये को लोग अपने घर, परिवार, समाज व देश की विकास में खर्च कर रहे हैं। क्योंकि जो रूपये शराब में खर्च होता था अब बच्चों को स्कूल भेजने, ड्रेस खरीदने, घर बनाने समेत अन्य विकासात्मक कार्यों में लग रहा है। निश्चित है कि रूपया मार्केट में आ रहा है। इससे गांव, मोहल्ला, क्षेत्र आदि का विकास होगा। बाजार का विस्तार तेजी से होगा।

चंपारण सत्याग्रह के 100वें साल पर महात्मा गांधी के लिए शराबबंदी एक श्रद्धा सुमन के रूप में

सारण प्रमंडल के कोने-कोने से आईं हजारों जीविका सदस्य महिलाओं ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को तन्मयता से सुना।

...यों ने कहा

...ही नहीं अंतर्राष्ट्रीय ...उभरेगा : शिक्षा मंत्री

सूबे के शिक्षा मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि शराबबंदी लागू कर एक और सत्याग्रह शुरू किया गया है। इस स्थिति में हम सभी का संकल्प बनता है कि पूरी ताकत से इसे कारगर बनाए। जीविका के प्रयास से बिहार अपने ...पा रहा है। उन्होंने कहा कि ...हीं अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर उतारने ...है। शराबबंदी पर ऐसी जागृति ...आज पूरे बिहार में 10 हजार महिला ...नाई गई है। जो पूरी ताकत से ...ओर उन्मुख है।

...नई सोच है, तभी दूसरे ...पना रहे : शिवचंद्र

बिहार में शराबबंदी कारगर तरीके से लागू होना एक ऐतिहासिक कदम है। यह एक नई सोच है जो दूसरे राज्य भी अपना रहे हैं। यह बात सूबे के कला एवं संस्कृति मंत्री शिवचंद्र राम ने राजेंद्र स्टेडियम में कही। उन्होंने कहा कि हमारे देश के ...ने सपना देखा था उस काम को ...शराबंदी लागू कर पूरा किया। मंत्री ...वल परिवार को बर्बाद करता है ...तहस नहस करता है। जीविका ...उठाया है वह ऐतिहासिक है। इसे ...की जरुरत है।

...ी तो हम भी लेते, लेकिन ...नहीं पीते : मुनेश्वर

जीविका के महिलाओं को ...

सदर अस्पताल के इमरजेंसी व बर्न वार्ड में 1

झारखंड में शराबबंदी को लगी है

देशभर में जोर-शोर से उठ रही शराबबंदी की मांग : नीतीश

छपरा | मुख्य संवाददाता

छपरा के राजेंद्र स्टेडियम में जीविका के प्रमंडलीय सम्मेलन में बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि बिहार का शराबबंदी अभियान और इस दिशा में महिलाओं का काम स्वर्णाक्षरों में लिखा जायेगा। करीब आठ हजार महिलाओं से रू-ब-रू होते हुए उन्होंने कहा कि पूरे देश में जोरों से आवाज उठ रही है। कल झारखंड गये थे। 15 को यूपी जा रहे हैं। राजस्थान व महाराष्ट्र से भी बुलावा आया है। शराबबंदी को समर्थन के लिए देश भर में जायेंगे।

गंगा-सरयू व गंडक के दियारे का जटिल भौगोलिक क्षेत्र व यूपी का सीमाई इलाका होने के चलते शराब के धंधे के लिए मुफीद रहे सारण में बुधवार को

जीविका सम्मेलन

- 15 को उत्तर प्रदेश जा रहे, समर्थन के लिए देशभर में जाएंगे : सीएम
- स्वर्णाक्षरों में लिखा जायेगा बिहार का शराबबंदी अभियान

शराबबंदी अभियान को हजारों महिलाओं का उत्साहपूर्ण समर्थन मिला तो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भरोसे को और बल मिला। उत्साह के साथ अपने अनुभव महिलाओं से साझा करते हुए सीएम ने बताया कि धनबाद की महिलाओं ने तो सीधा सवाल किया- जब बिहार में शराबबंदी हो गई तो फिर झारखंड में क्यों नहीं? उड़ीसा में भी मांग उठने लगी है। शराबबंदी नहीं करने वाले राज्यों से सीएम ने पूछा- अब कब तक बचियेगा? बिहार की सफलता पूरे देश के लिए नजीर बन गई है।

उन्होंने जीविका से जुड़ी महिलाओं से मुख्य काम करते हुए शराबबंदी के लिए भी ध्वजवाहक बनने को कहा। साथ ही राज्य में दस लाख स्वयं सहायता समूह के गठन को सरकार का लक्ष्य बताते हुए इससे डेढ़ करोड़ परिवारों को जोड़ने की बात कही। > संबंधित खबरें पेज 04

नाव से पार जाकर तोड़ी भट्ठी

शराब में पैसा बर्बाद हो जाने के चलते घर में कभी-कभार खाना भी नहीं मिलता था। हम महिलाएं रोजाना मार खाती थीं। फिर हम सभी दीदी ने तय किया कि गांव में शराब नहीं बिकने देंगे। पुलिस का सहयोग नहीं मिला तो खुद तीन गुट बना ड्यूटी बांट तीन स्थानों पर पहरा देते थे। एक- गंगा किनारे जहां से आता था। दूसरा- जहां बिकता था और तीसरा-जहां बैठकर लोग पीते थे। फिर एक दिन नाव से उस पार जाकर शराब की भट्ठियां हमने तोड़ दी थी। आज पूर्ण शराबबंदी से हम सब खुश हैं।

सुनीता देवी, शोभेपुर, सोनपुर

सास-ससुर व पति को खोया

मेरी शादी संपन्न घर में हुई थी पर शराब ने सब उजाड़ दिया। सास-ससुर व पति को बारी-बारी से खो दिया। पहले शराब पीने से रोकने पर ससुर ने सास को जला दिया। फिर किडनी खराब होने से ससुर की भी मौत हो गई। फिर 20 जून 2010 को नशे में धुत पति ने खुद सिर में गोली मार ली। स्थिति दयनीय हो गई। खाने को लाले पड़ गये। इसलिए चाहती थी कि अब शराब से कोई परिवार न उजड़े। इसके लिए अन्य दीदी के सहयोग से हम डेढ़ सौ महिलाओं ने शराबबंदी के लिए लड़ाई लड़ी।

पूनम दीदी, गोपालगंज सदर

सुबह का नाश्ता भी शराब से

हमारे गांव में सुबह का नाश्ता भी लोग शराब से करते थे। फिर घर में ही घुलट जाते थे और काम पर नहीं जाते थे। इस बारे में पूछने पर उलटे पिटाई करने लगते थे। फिर कुछ महिलाओं ने मिलकर एसपी से कहकर शराब पकड़वाई तो धमकी दी जाने लगी। फिर हम लोगों ने रैली निकाली तो कुछ लोगों का भी समर्थन मिला तो मन में डर खत्म हो गया। हमारी पंचायत शराबमुक्त हो गई। अब मुख्यमंत्री ने पूरे बिहार को शराब मुक्त कर दिया तो हमारी खुशी का कोई ठिकाना नहीं है।

किरण देवी, माधोपुर, सीवान

जीविका दीदी के ताकत का बा

हमारे गांव में 20 परिवारों के लोग अवैध दारू बनाकर बेचता था। गांव में रोज हो-हल्ला व कचरा होता था। तब कुछ महिलाओं ने मिलकर शराब बंद करने को कहा तो धंधा करने वालों ने कहा कि तुम लोग अपने घर के लोगों को मना करो। हम कहते थे कि हम सभी जीविका से जुड़ी दीदी हैं। तो वे कहते थे- जीविका के दीदी के ताकत का बा? फिर हमलोगों ने जाकर सारा सामान व अड्डा तोड़ दिया। उनकी महिलाओं के सामने खाना बनाने की दिक्कत हुई थी तो संगठन के रुपये से मदद की।

विदांति देवी, गोपालगंज

उपस्थित जीविका की कार्यकर्ता.

शराबबंदी पर गीत प्रस्तुत करतीं जीविका की कार्यकर्ता.

बिहार का गौरवशाली अतीत लौटेगा : डॉ अशोक

शिक्षा मंत्री डॉ अशोक चौधरी ने कहा है कि बिहार अपने गौरवशाली अतीत को वापस लायेगा. जीविका की ओर से आयोजित कार्यक्रम में डॉ चौधरी ने कहा कि शराबबंदी लागू करना मामूली बात नहीं है. बापू के चंपारण सत्याग्रह के 100 वर्ष पूरे हो चुके हैं. शराबबंदी लागू करना बापू का सपना था, जिसे लागू कर सीएम नीतीश कुमार की सरकार ने एक नये सत्याग्रह का सूत्रपात किया है.

सामाजिक आंदोलन है शराबबंदी : चंद्रिका

परिवहन मंत्री चंद्रिका राय ने कहा है कि शराबबंदी बहुत बड़ा सामाजिक-सांस्कृतिक आंदोलन है. उन्होंने कहा कि शराबबंदी लागू होने से वह लोग भी खुश हैं, जो शराब पीते थे. गांव से शहर तक का माहौल बदला है. लोगों का सोच बदला है. इससे सामाज में शांति व सद्भावना कायम हुई है. उन्होंने कहा कि गुजरात में भी शराबबंदी लागू है, लेकिन कानून कमजोर है.

कुप्रथा को किया दूर : मुनेश्वर

खनन एवं भूतत्व मंत्री मुनेश्वर चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने शराबबंदी लागू कर एक बहुत बड़ी कुप्रथा को दूर करने का प्रयास किया है, जिसे सफल बनाने में सभी का सहयोग अपेक्षित है. उन्होंने महिलाओं से अपील की कि नीतीश कुमार की इस मुहिम को सार्थक बनाने के लिए आगे भी आंदोलन जारी रखें. उन्होंने कहा कि महिलाओं की मांग पर ही शराबबंदी लागू की गयी है.

बाबा साहेब का सपना हुआ साकार : शिवचंद्र

कला-संस्कृति एवं युवा विभाग के मंत्री शिवचंद्र राम ने कहा शराबबंदी लागू होने से बाबा साहेब का सपना साकार हुआ है. बाबा साहब भीम राव आंबेडकर शराबबंदी लागू करने के बहुत बड़े हिमायती थे. उन्होंने कहा कि इसका सबसे अधिक लाभ उन दलित व कमजोर वर्ग के परिवारों को होगा.

सख्ती से लागू शराबबंदी कानून : आयुक्त

शराब बंदी कानून को सख्ती से लागू किया जा रहा है. उक्त बातें प्रमंडलीय आयुक्त प्रभात शंकर ने राजेंद्र स्टेडियम में आयोजित जीविका के शराबबंदी कार्यक्रम में बुधवार को कहीं. उन्होंने कहा कि प्रमंडल के सभी जिलों में सरकारी निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन हो रहा है. शराबबंदी कानून लागू होने से एक साथ कई समस्याओं का निराकरण हुआ है. उन्होंने मुख्यमंत्री को भरोसा लिया कि आपकी उम्मीद व सपनों के अनुरूप अधिकारी कार्य कर रहे हैं. आयुक्त ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे प्रमंडल के सभी थानों की पुलिस के द्वारा सघन जांच की जा रही है.

एक दिन का मजा 10 साल की सजा : सिंह

एक दिन के मजे के लिए मिलेगी दस साल की सजा. उक्त बातें मुख्य सचिव अंजनी कुमार सिंह ने राजेंद्र स्टेडियम में जीविका की ओर से आयोजित नशाबंदी कार्यक्रम में बुधवार को कहीं. उन्होंने कहा कि सीमा पार शराब पीने जानेवालों को महिलाएं सचेत करें और उन्हें यह बात बताएं कि एक दिन मजा करने के एवज में 10 वर्ष की सजा मिलेगी. उन्होंने शराबबंदी अभियान की चर्चा करते हुए इस नये कानून के लागू होने से महिलाओं को सबसे अधिक लाभ पहुंचा है. महिलाएं पहले से प्रयासरत थीं, लेकिन सफलता नहीं मिल रही थी.

अपराध की घटनाओं में आयी है कमी : डीजीपी

डीजीपी के पीके ठाकुर ने कहा है कि शराबबंदी कानून लागू होने से अपराध की घटनाओं में कमी आयी है. उन्होंने वर्ष 2015 के अप्रैल तथा वर्ष 2016 के अप्रैल माह के अपराध के आंकड़ों की तुलनात्मक विवरणी पेश की और बताया कि हत्या, डकैती, लूट तथा चोरी, सड़क दुर्घटना, दंगा में 20 से 50 प्रतिशत तक की कमी आयी है. उन्होंने कहा कि केवल उत्पाद अधिनियम के मुकदमों में वृद्धि हुई है. उन्होंने कहा कि ऐसी सूचना है कि शराबबंदी के बाद नशेड़ियों के द्वारा वैकल्पिक रूप में द्रव्यों का सेवन किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि भांग, गांजा, अफीम जैसा मादक द्रव्यों की बिक्री, सेवन पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाये जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि शराबबंदी को लागू करने के लिए पुलिस संकल्प से बंधी है. उन्होंने कहा कि शराब बनाने, बेचने तथा पीने के मामले जिस क्षेत्र में पाये जायेंगे, वहां के थानेदार के खिलाफ निलंबन, विभागीय कार्रवाई होगी और अगले दस वर्ष तक थानेदार नहीं बनाया जायेगा.

शराब के कारण गई थी सास, ससुर व पति की जान

- मुख्यमंत्री को जीविका की दीदियों ने सुनाई आपबीती

राजीव रंजन, छपरा

घर के पुरुष सदस्यों के अधिक शराब पीने के कारण अकूत संपति तो हाथ से गई ही, हालात इससे भी बदतर हुए और देखते-देखते सास, ससुर एवं पति की जान चली गई। ससुर ने शराब पीने से मना करने पर आग लगाकर सास की हत्या कर दी। वहीं अधिक शराब पीने से किडनी खराब होने के कारण उनकी भी जान चली गई। बची-खुची संपति को पति व देवर ने बेच दिया। आज महिला स्वयंसेवी सहायता समूह की मदद से दो बच्चों की परवरिश कर रही हूं। नीतीश सरकार ने शराब पर जो रोक लगाई है, उससे अब लोगों का घर उजड़ने से बच जायेगा। यह बात गोपालगंज जिले के सदर ब्लाक से आयी दिव्या महिला संगठन की सदस्य पूनम देवी ने बुधवार को राजेन्द्र स्टेडियम में ग्रामीण विकास विभाग द्वारा आयोजित जीविका कार्यक्रम में संबोधन के दौरान अपनी आपबीती सुनाते हुए कहीं।

सूबे के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में मद्य निषेध को लेकर आयोजित जीविका के कार्यक्रम के दौरान अपनी आप बीती बताते हुए पूनम देवी ने कहा कि शराब पर जो रोक लगायी गई है उससे वे काफी खुश हैं। यह रोक अगर कुछ वर्ष पहले लग गई होती तो शायद उसकी दुनिया उजड़ने से बच जाती। उसके पास काफी जमीन जायदाद और संपति थी। घर के पुरुष सदस्य ससुर, पति व देवर काफी अधिक शराब पीते थे। एक बार वे शराब पीकर नशे में धुत होकर उसके ससुर घर पहुंचे। नशे में धुत होने के कारण सास से उनका विवाद हुआ। सास ने शराब पीने से

- नशे में धुत पति ने सिर में ही मार ली थी गोली

आपबीती बताती जीविका की दीदी पूनम व वेदांती जागरण

मना किया। इसी बीच ससुर ने जलाकर सास को मार डाला। इस घटना के डेढ़ वर्ष बाद ससुर की किडनी खराब हुई और देखते-देखते इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। सास, ससुर के मरने के बाद पति और देवर जमकर शराब पीने लगे। अब उन्हें रोकने वाला कोई नहीं था। घर में आये दिन मारपीट करते थे। बच्चों की भी पिटाई करते थे। 20 जून 2010 को पति शराब के नशे में धुत होकर घर पहुंचे। उनसे शराब छोड़ने को लेकर विवाद हुआ। जिसके बाद उन्होंने अपने सिर में गोली मार ली। पति की मौत के बाद घर की स्थिति काफी दयनीय हो गयी। ससुर और पति ने काफी संपति बेच दी थी। जो संपति बची थी उसे देवर ने बेच दी। यहां तक कि घर भी बिक गया। दो बच्चों के परवरिश की जिम्मेवारी अब उनके ऊपर थी। जिसके बाद उन्होंने महिला स्वयंसेवी समूह से मुलाकात और शराब के खिलाफ आवाज उठायी। कई भट्ठियों को ध्वस्त किया गया। प्रशासन ने भी काफी मदद की। डेढ़ सौ से अधिक महिलाएं समूह में जुड़ गयी थी। जगह-जगह शराब का विरोध शुरू हुआ। इसके बाद मुख्यमंत्री ने जो घोषणा की,

- शराब के लिए ससुर, पति व देवर ने बेच दी अकूत संपति

► अधिक शराब पीने के कारण किडनी खराब होने से ससुर की गई जान

► शराब पीने से मना करने पर नशे में धुत ससुर ने जलाकर मार डाला था सास को

उससे तो हम सब महिलाओं की दुनिया ही बदल गयी। शराब पर रोक लगने के बाद कई लोग शराब न मिलने के कारण बीमार हुए। जिनका इलाज महिला संगठन ने करवाया। सभी को अस्पताल में नशा मुक्ति केन्द्र में भर्ती किया गया। आज पूरा इलाका शराब से मुक्त है।

गोपालगंज की वेदांती देवी ने भी अपनी आपबीती मुख्यमंत्री के समक्ष बयां की। उन्होंने कहा कि गांव में धड़ल्ले से शराब की दुकानें चलती थीं। इस पर रोक लगाने के लिए महिलाएं एकजुट हुईं। एक दिन सभी महिलाएं बैठक कर रही थीं तभी उनके संगठन की जो प्रमुख महिला थी। उनके पति नशे में धुत होकर पहुंचे और मीटिंग के दौरान ही उन्हें मारने पीटने लगे। यह सब देखकर हम सब महिलाएं काफी आक्रोशित हुईं और शराब पर पूर्ण रूपेण रोक लगाने का निर्णय लिया। कई जगहों पर भट्ठियों को ध्वस्त किया गया। झाड़ू डंडा लेकर व ठायं-ठायं मारकर दुकानों को तोड़ा गया। अब पूरे इलाके में शराब नहीं बिकती। मुख्यमंत्री ने जो कार्य किया है इससे आज की पीढ़ी ही नहीं अगली पीढ़ी भी काफी गौरवान्वित महसूस करेगी।